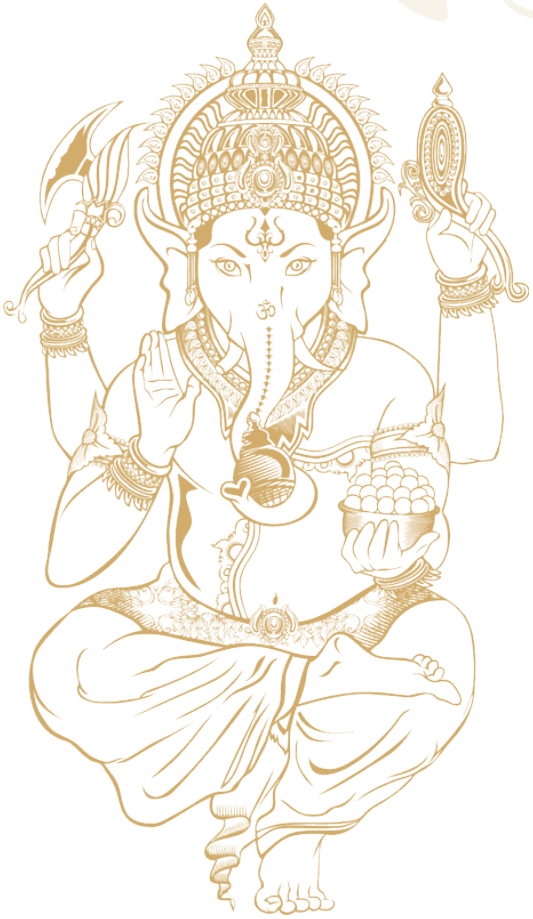

Mr.Yash Kumar

11 Oct 1983

09:45 PM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120361212

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/10/1983**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:45:00 घंटे**
इष्ट	38:43:49 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:27:16 घंटे
वेलान्तर	00:13:04 घंटे
साम्पातिक काल	22:46:01 घंटे
सूर्योदय	06:15:28 घंटे
सूर्यास्त	17:53:31 घंटे
दिनमान	11:38:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:09:02 कन्या
लग्न के अंश	01:31:29 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:31:29	338:42:21	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			कन्या	24:09:02	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			धनु	00:00:19	12:33:47	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
मंगल			सिंह	13:35:40	00:36:55	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कन्या	10:46:45	01:40:32	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
गुरु			वृश्चि	14:51:58	00:10:44	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	10:18:47	00:43:32	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			तुला	11:16:22	00:07:02	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	उच्च राशि
राहु			वृष	24:07:30	00:00:35	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	24:07:30	00:00:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	12:50:52	00:02:44	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
नेप			धनु	03:08:19	00:01:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	05:21:50	00:02:23	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
दशम भाव			कुंभ	16:20:14	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:32

लग्न-चलित

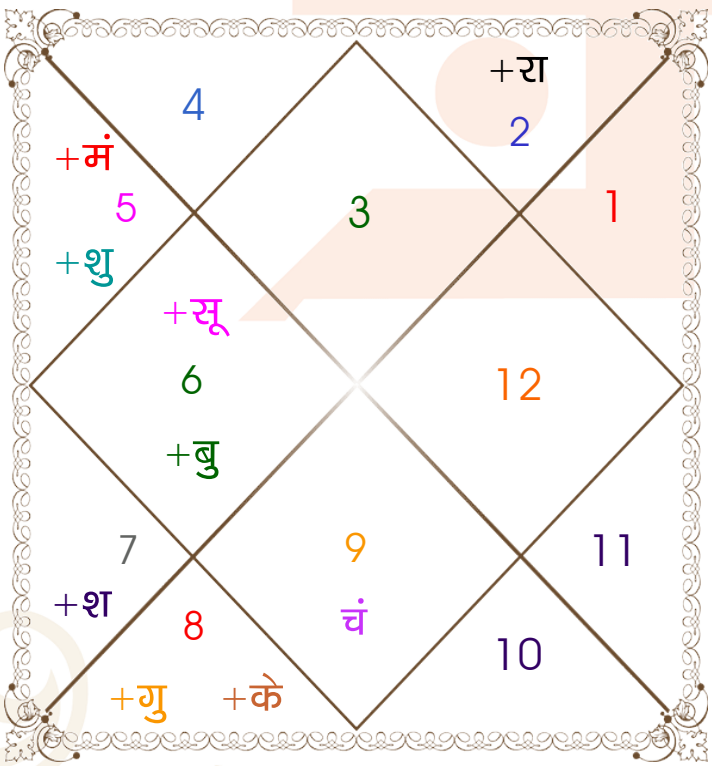

चन्द्र कुंडली

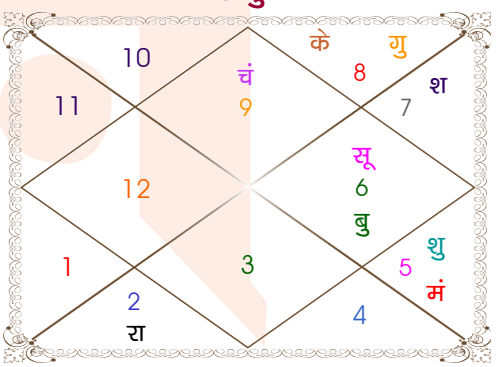

नवमांश कुंडली

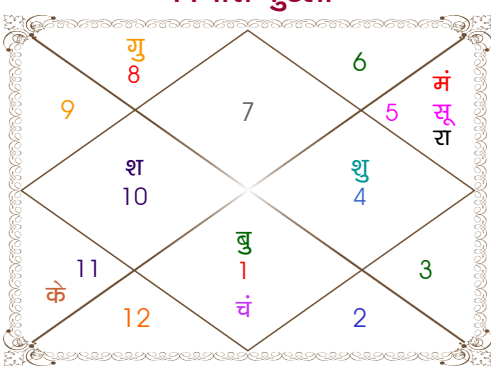

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 11 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/10/1983		10/10/1990		10/10/2010		10/10/2016		10/10/2026	
10/10/1990		10/10/2010		10/10/2016		10/10/2026		10/10/2033	
केतु	08/03/1984	शुक्र	09/02/1994	सूर्य	28/01/2011	चंद्र	10/08/2017	मंगल	08/03/2027
शुक्र	08/05/1985	सूर्य	09/02/1995	चंद्र	29/07/2011	मंगल	11/03/2018	राहु	26/03/2028
सूर्य	13/09/1985	चंद्र	10/10/1996	मंगल	04/12/2011	राहु	10/09/2019	गुरु	02/03/2029
चंद्र	14/04/1986	मंगल	10/12/1997	राहु	28/10/2012	गुरु	09/01/2021	शनि	11/04/2030
मंगल	10/09/1986	राहु	10/12/2000	गुरु	16/08/2013	शनि	10/08/2022	बुध	08/04/2031
राहु	28/09/1987	गुरु	11/08/2003	शनि	29/07/2014	बुध	10/01/2024	केतु	04/09/2031
गुरु	03/09/1988	शनि	10/10/2006	बुध	05/06/2015	केतु	10/08/2024	शुक्र	03/11/2032
शनि	13/10/1989	बुध	10/08/2009	केतु	10/10/2015	शुक्र	11/04/2026	सूर्य	11/03/2033
बुध	10/10/1990	केतु	10/10/2010	शुक्र	10/10/2016	सूर्य	10/10/2026	चंद्र	10/10/2033

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/10/2033		10/10/2051		10/10/2067		10/10/2086		11/10/2103	
10/10/2051		10/10/2067		10/10/2086		11/10/2103		00/00/0000	
राहु	22/06/2036	गुरु	28/11/2053	शनि	13/10/2070	बुध	08/03/2089	केतु	12/10/2103
गुरु	16/11/2038	शनि	10/06/2056	बुध	22/06/2073	केतु	05/03/2090		00/00/0000
शनि	22/09/2041	बुध	16/09/2058	केतु	01/08/2074	शुक्र	03/01/2093		00/00/0000
बुध	10/04/2044	केतु	23/08/2059	शुक्र	01/10/2077	सूर्य	09/11/2093		00/00/0000
केतु	29/04/2045	शुक्र	23/04/2062	सूर्य	13/09/2078	चंद्र	11/04/2095		00/00/0000
शुक्र	28/04/2048	सूर्य	09/02/2063	चंद्र	13/04/2080	मंगल	07/04/2096		00/00/0000
सूर्य	23/03/2049	चंद्र	10/06/2064	मंगल	23/05/2081	राहु	25/10/2098		00/00/0000
चंद्र	22/09/2050	मंगल	17/05/2065	राहु	29/03/2084	गुरु	31/01/2101		00/00/0000
मंगल	10/10/2051	राहु	10/10/2067	गुरु	10/10/2086	शनि	11/10/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।